

में आरती तेरी गाऊं

में आरती तेरी गाऊं मेरे गणराज बिहारी।
में तुझको रोज मनाऊं ।
तुम गोरा घर जाए' शिव जी के मन को भाए,
कभी मेरे घर भी आओ मेरे गणराज बिहारी,
में आरती तेरी गाऊं मेरे गणराज बिहारी,

कोई छप्पन भोग जी मावे कोई लड्डू बन भोग लगावे,
में तो दूर्वा ले आया जीमो गणराज बिहारी,
में आरती तेरी गाऊं मेरे गणराज बिहारी ,

तुम एकदंत गणराया मैं शरण तुम्हारी या,
या अब राखो लाज हमारी मेरे गणराज बिहारी,
में आरती तेरी गाऊं मेरे गणराज बिहारी ,

8लेखक पंडित संजय शर्मा नसरुल्लागंज

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6298/title/main-aarati-teri-gau-mere-ganraj-bihari>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |